विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 29 अक्तूबर से 4 नवंबर 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 21 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार



जीवन की खुशियां

रिश्तों से व्यक्ति को ताकत मिलती है. पत्नी अच्छी हो, समझदार हो तो पति का दिमाग सही चलता है और परिवार लगातार आगे बढ़ता है. लेकिन जिस घर में पति-पत्नी में कलह होती है, वहां अमीरी रहने के बाद भी किसी तरह का सुख नहीं मिलता है. जिंदगी छोटी है, ऐसे में अपनों को समझते हुए प्रेम बांटते हुए स्वयं भी खुश रहें, बाकी को रखें. वर्ना कल नहीं रहने पर अपने भी कभी याद नहीं निकालेंगे.

शहर का व्यापार बढ़ाता है शान,करता है विकास

व्यापार में स्थानीयों को दें महत्व, सुविधा के नाम पर अपने पैरों पर मार रहे हैं कुल्हाड़ी

विदर्भ स्वाभिमान,28 अक्तूबर अमरावती/मुंबई-आप अपने शहर के हितैषी हैं या नहीं है, इसका फैसला आप की रोज की जरूरतें और उनकी खरीदी के लिए आप किसे प्राथमिकता देते हैं, यह साबित करती हैं. सुविधा के नाम पर जिस तरह से हम ऑनलाइन आर्डर देकर अपने ही शहर के व्यापार को चौपट कर रहे हैं, वह आज नहीं तो कल हमारे लिए घातक ठीक उसी तरह बनने वाला है, जैसे पानी के महत्व को बार-बार समझाने के बाद भी हम समझने तैयार नहीं हुए हैं. इसके कारण जलस्तर तेजी से घट रहा है और यह घटता जलस्तर समस्याओं को बढावा देने वाला है. भविष्य के लिहाज से पानी की कमी निश्चित रूप से हमें रूलाने वाली है. अभी भी समय है यदि समय रहते हम नहीं संभले तो निश्चित तौर पर पानी हमें पानी-पानी किए बगैर नहीं रहेगा.

नहीं है कोई बड़ा उद्योग

जहां तक अमरावती का सवाल है तो यहां कोई बड़ा उद्योग नहीं है. महाविद्यालयों की भरमार है लेकिन हमारे भाग्यविधाताओं की कृपा से यहां बड़ा उद्योग नहीं आने से यहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों को नौकरी के लिए मुंबई, पुणे, हैदराबादा सहित बड़े शहरों की ओर ही रूख करना पड़ता है. यहां कपड़ा व्यवसाय, दवा बाजार सहित अन्य चुनिंदा क्षेत्र ही नौकरी देते हैं. लेकिन ऑनलाइन खरीदी बढ़ने के कारण व्यापार चौपट होने की कगार पर है. महंगाई की मार के कारण गरीब तथा मध्यमवर्गी यों की क्रय शक्ति तेजी से घटी है. किसानों पर मौसमी संकट के कारण फसलें तबाह हो रही हैं, इससे वह परेशान है. ऐसे में एक छोटी किराणा दुकान भी एक-दो लोगों को रोजगार देती है. रेडीमेड, बड़े-बड़े कपड़ा शोरूमों, बाइक, कार तथा अन्य शोरूमों में एक साथ 10-20 लोगों को रोजगार मिलता है. लेकिन बड़े पैमाने पर बाहर से ही ऑनलाइन चीजें बुलाने की होड़ के कारण यह भी आर्थिक मुसीबत में आ गए हैं.

व्यापार का विकास से संबंध

किसी भी शहर के व्यापार का संबंध शहर के विकास से होता है. सेवा हो अथवा विश्वसनीयता स्थानीय व्यापारी निश्चित तौर पर अग्रणी रहते हैं. ऑनलाइन व्यवहार में दगाबाजी की सैकड़ों घटनाएं होने के बाद भी लोगों में जागरूकता नहीं आ रही है.

शहर का व्यापार अगर समृद्ध होगा तो निश्चित तौर पर रोजगार के मौके उत्पन्न हों गे. लेकिन दुर्भाग्यवश जिस तेजी से हम ऑनलाइन पर जोर दे रहे हैं, उससे शहर का व्यापार खतरनाक तरीके से प्रभावित हो रहा है. ऐसा होने पर इसका असर किसी एक पर नहीं बल्कि शहर विकास के साथ ही लोगों के जीवनस्तर पर पडेगा. **शेष 2 पर**

नवंबर के पहले सप्ताह से ठंडी पकड़ेगी गति

विदर्भ स्वाभिमान,28 अक्तूबर अमरावती- मौसम का बदलता मिजाज निश्चित तौर पर सभी के लिए खतरनाक कहा जा सकता है. वैसे तो अमरावती शहर में उमस के मौसम से राहत मिलकर गुलाबी ठंडी का एहसास सोमवार से शुरू हो गया है लेकिन यह नहीं के जैसा ही है. तापमान में कमी के अलावा आगामी दिनों में ठंड की तीव्रता थोड़ी गति पकड़ने की संभावना जताई जा रही है. नवंबर के पहले सप्ताह से ठंडी गति पकड़ने की संभावना मौसम विशेषज्ञ जता रहे हैं. मौसम में बदलाव के कारण लोगों में दिक्कतें भी हो रही हैं.

स्वास्थ्य को लेकर बढ़ रही है युवाओं में परेशानी

विदर्भ स्वाभिमान,28 अक्तूबर अमरावती- खान-पान की अनियमितता, बढ़ता तनाव और पारिवारिक कलह के साथ ही मौसम के कारण युवाओं में स्वास्थ्य समस्या तेजी से बढ़ रही है. पिछले कुछ महीनों से शहर में बी 12 और कैल्शियम की कमी की समस्या से स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बढ़ी है. आमतौर पर यह तेजी से युवाओं में भी बढ़ रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान द्वारा इस बारे में पता लगाने पर शहर में आज हजार मरीजों में ऐसे मरीजों की संख्या काफी है. हाथ-पैर में दर्द के साथ ही जोड़ों में समस्या के कारण कईयों का चलना मुश्किल हो गया है. बढ़ती यह बीमारी निश्चित तौर पर चिंता का कारण बना है. इसके प्रभावितों में 18 से 35 साल उम्र के लोगों की संख्या अधिक है.

जिला बैंक चुनाव को लेकर गर्माएगी राजनीति

विदर्भ स्वाभिमान,28 अक्तूबर अमरावती- जिले में किसानों की बैंक के रूप में स्थान रखने वाली अमरावती जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के चुनाव की घोषणा भले ही नहीं हुई है लेकिन इसके चुनाव तथा इस बैंक पर कब्जे को लेकर राजनीति गर्माने की संभावना जताई जा रही है. आगामी 2 नवंबर को जिला बैंक चुनाव का बिगुल बजने की संभावना के बीच बैंक पर कब्जे को लेकर राजनीति गर्मा गई है. इस बैंक पर ढाई साल में ही विधायक बच्चू कडू ने सत्ता का गणित पलटने में जहां सफलता प्राप्त की, वहीं कार्यकाल के दौरान कई फैसले को लेकर भी चर्चित हुए.

सहकार विभाग के सूत्रों के मुताबिक सहकार विभाग द्वारा मतदाता सूची 14 अक्तूबर को जारी कर दी गई है. सहकार कानून के मुताबिक अंतिम मतदाता सूची घोषित होने के बीस दिनों के भीतर चुनावी कार्यक्रम घोषित करवाना जरूरी होता है.फिलहाल की स्थिति में बैंक पर प्रशासक राज है. सहकार विभाग के मुख्य लेखा परीक्षक श्रीनिवास पांढरे बैंक के प्रशासक के रूप में कामकाज देख रहे हैं. लेकिन चुनाव को लेकर बिसातें बिछनी शुरू हो गई हैं.





विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

अंबानगरी में मौत का सर्वत्र बढ़ता जंजाल

अंबानगरी में जिस तरह से सर्वत्र खतरा नजर आ रहा है और सर्वत्र मौत का जंजाल बढ़ता जा रहा है, वह निश्चित ही नेतृत्वकर्ताओं के लिए चुनौती के साथ चिंता की बात है. कहीं वन्यजीवों से खतरा, कहीं सुबह की सैर के समय आवारा श्वानों से खतरा, कहीं बीच रास्ते पर गड्ढे के कारण दुर्घटना का खतरा तो कभी यातायात नियमों की ऐसी-तैसी करते और तिबल सीट तूफानी गति से सड़कों से गुजरने वालों से खतरा. शहरवासी चारों ओर मौत के बढ़ते घेरे से त्रस्त होकर परेशान हैं.लेकिन उन्हें कोई राह नहीं दिखाई दे रही है.शहर में आवारा कुत्ते और यातायात नियमों के कारण जहां दुर्घटना और मौत का खतरा बढ़ गया है वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र में वन्य जीवों की मौजूदगी ने टैक्स भरने वाले नागरिकों की जिंदगी खतरे में डाल दी है. शनिवार की सुबह की सैर कर रही युवती पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया. यह पहली घटना नहीं है इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं होने के बाद भी महापालिका प्रशासन द्वारा आदत पड़ गई है.

शहर ही नहीं बल्कि जिले में चिखलदरा, मोर्शी, धारणी सहित अन्य वनक्षेत्रों और उनसे सटे गांवों में वन्यजीवों की आवाजाही एक संवेदनशील चुनौती है. खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर और मवेशियों के साथ जंगल के आसपास जाने वाले ग्रामीण हर समय सतर्क रहने को मजबूर हो सकते हैं. वन्यजीवों का उत्पात शहर के साथ चिखलदरा मोर्शी तथा अन्य तहसीलों में भी बढ़ गया है इससे किसानों के साथ ही अन्य नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है.लेकिन सवाल यह भी है कि वन्यजीवों की गतिविधियों पर निगरानी रखने और ग्रामीणों को समय रहते सतर्क करने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है? वन विभाग की भूमिका केवल घटना के बाद घटनास्थल पर पहुंचने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए. संवेदनशील इलाकों की पहचान, नियमित गश्त, त्वरित सूचना प्रणाली, स्थानीय नागरिकों को प्रशिक्षण और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था प्राथमिकता होनी चाहिए.वन्यजीवों को दोष देकर या उन्हें मारने की मांग करके समस्या का समाधान नहीं निकलेगा. उनके प्राकृतिक आवास का संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने की ठोस नीति ही दीर्घकालीन रास्ता है. लेकिन वन्यजीव संरक्षण के नाम पर प्रभावित ग्रामीणों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को अनसुना करना भी उचित नहीं है.वन्यजीव द्वारा हमला करने से अभी तक कुछ वर्षों में कई लोगों की मौत हुई है. सरकार द्वारा मुआवजा दिया गया है लेकिन व्यक्ति की मौत से परिवार को होने वाली परेशानी का अंदाजा शायद कोई लगा सकता है.शहर के साथ ही जिले में भी अनगिनत समस्याओं ने नेतृत्व पर सवाल खड़ा किया है. इससे लोगों को उबारने का प्रयास होना चाहिए.

हर परिवार बन सकता है स्वर्ग अगर



विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199



ज़ीवन में तरक्की के लिए केवल योग्यता ही नहीं बल्कि घर के माहौल का भी काफी महत्व होता है. जिन घरों में शांति, समझदारी, एक-दूसरे के प्रति अपनापन और आत्मीयता होती है, उन घरों की केवल प्रगति ही नहीं होती है बल्कि उन घरों में बीमारी अथवा अन्य किसी भी तरह की समस्या परिवार को परेशान नहीं करती है. बड़ी से बड़ी बीमारी के दौरान भी सभी प्रसन्न रहते हैं. लेकिन दुर्भाग्यवश वर्तमान में स्वार्थ भरे दौर में यह बात दूर होती जा रही है. परिवार की तरक्की में कमाऊ पुरूष अथवा महिला का अत्याधिक महत्व होता है. उन्हें अगर प्रसन्न रखा जाए तो निश्चित तौर पर परिवार की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता है. उदाहरण के तौर पर जहां एकता होती है, वहां ताकत होती है और जहां ताकत होती है, वहां प्रगति होती ही है. लेकिन वर्तमान में समझदारी के अभाव में अधिकांश घरों में येन-केन प्रकारेण धन दौलत तो बहुत आ गया है लेकिन घर में कलह के कारण खुशियां गायब हो गई हैं. ऐसे में घर में शांति तथा सद्भावना बनाए रखने में सभी का योगदान जब मिलता है तो सब कुछ बेहतरीन होता है. लेकिन जब घर में कलह होती है तो इसका व्यवसाय के साथ ही पारिवारिक शांति पर भी असर पड़ता है. जिन घरों में पति-पत्नी, माता-पिता के साथ ही परिवार के हर सदस्य में समझदारी होती है और सदैव एक दूसरे की खुशी की चिंता रहती है, उन घरों में बाकी की तुलना में अत्याधिक प्रसन्नचित माहौल रहता है.परिवार को इंसान की सबसे बड़ी ताकत माना जाता है. यही वह स्थान है, जहां व्यक्ति को सुख-दुख में सहारा, अपनापन और मानसिक शांति मिलनी चाहिए. लेकिन जब यही परिवार आपसी विवाद, अहंकार, अविश्वास और तनाव का केंद्र बनने पर पूरे घर का सत्यानाश होने के करोड़ों उदाहरण हैं.

पति-पत्नी के बीच विवाद, सास-बहू के झगड़े, संपत्ति को लेकर मतभेद, आर्थिक परेशानियां और रिश्तों में बढ़ती अपेक्षाएं कई बार घर का वातावरण अशांत कर देती हैं. छोटी-छोटी बातों पर होने वाले विवाद जब लगातार बढ़ते हैं और बातचीत के रास्ते बंद हो जाते हैं, तब व्यक्ति स्वयं को अकेला और असहाय महसूस कर सकता है. ऐसे समय में उचित सहयोग और संवेदनशीलता का अभाव स्थिति को और कठिन बना सकता है.आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार के सदस्य एक-दूसरे को दोष देने के बजाय उनकी बात सुनने और समस्याओं को समझने का प्रयास करें. हर विवाद में जीत हासिल करना जरूरी नहीं है; कई बार रिश्तों को बचाने के लिए एक-दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करना अधिक महत्वपूर्ण होता है. बढ़ते कलह से आत्महत्या के पीछे सामान्यतः एक ही कारण नहीं होता. मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां, आर्थिक दबाव, सामाजिक परिस्थितियां और व्यक्तिगत संकट सहित कई कारक भूमिका निभा सकते हैं. इसलिए किसी घटना को केवल पारिवारिक विवाद से जोड़कर देखना उचित नहीं है. जरूरत इस बात की है कि संकट के संकेतों को गंभीरता से लिया जाए और प्रभावित व्यक्ति को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जाए.ज़ीवन क्षणिक है, ऐसे में जो लोग परिवार के नहीं हो सकते हैं, वे किसी के नहीं हो सकते हैं. परिवार की खुशियां सभी से होती हैं, सभी का महत्व समझते हुए संस्कार, सम्मान, उदारता से संबंधों को मजबूत करें और जीवन को खुशियों से बिताने में सफल हों, जीवन स्वर्ग हो जाएगा.

खरीदी में शहर के व्यापारी को महत्व देना जरूरी



विदर्भ स्वाभिमान

पेज 1 से जारी-किसी भी शहर की खुशहाली का आकलन केवल उसकी चमचमाती सड़कों, ऊंची इमारतों और आधुनिक सुविधाओं से नहीं किया जा सकता. शहर की असली समृद्धि उसके व्यापार, बाजारों की रौनक, कारोबारियों की आर्थिक स्थिति और आम नागरिकों की क्रय शक्ति में छिपी होती है. व्यापार जितना मजबूत होगा, शहर की अर्थव्यवस्था उतनी ही सशक्त होगी और खुशहाली के रास्ते उतने ही व्यापक होंगे.शहर के व्यापार की मजबूती का संबंध शहर की आर्थिक प्रगति से होता है. रोजगार बढ़ता है और खुशहाली में भी किसी भी शहर का व्यापार महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मत व्यवसायी रामेश्वर उपाध्याय, सुरेश जैन तथा बालकिसन पाण्डेय ने व्यक्त किया. शहर का व्यापार किसी भी शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है. छोटे दुकानदार से लेकर बड़े व्यापारी तक, हर व्यक्ति शहर के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.बाजारों में बढ़ती ग्राहकों की आवाजाही, दुकानों पर होने वाली खरीदारी और कारोबार में आने वाली तेजी न केवल व्यापारियों को लाभ पहुंचाती है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करती है. इससे परिवहन, होटल, छोटे उद्योग, श्रमिकों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय में भी वृद्धि होती है.लेकिन जब बाजारों में मंदी छाने लगती है, ग्राहकों की संख्या घटती है और व्यापारियों की आमदनी प्रभावित होती है, तब इसका असर केवल दुकानों तक सीमित नहीं रहता. इसका सीधा प्रभाव रोजगार, परिवारों की आर्थिक स्थिति और शहर की समग्र अर्थव्यवस्था पर पड़ता है. महंगाई, बेरोजगारी, पार्किंग की समस्या, यातायात की अव्यवस्था और कमजोर नागरिक सुविधाएं भी बाजारों की रौनक कम कर सकती हैं.अमरावती जैसे तेजी से विकसित होने की क्षमता रखने वाले शहर में व्यापार को नई दिशा देना समय की मांग है. इसके लिए बाजार क्षेत्रों में स्वच्छता, पर्याप्त पार्किंग, सुगम यातायात, सुरक्षित वातावरण और व्यापारियों के लिए अनुकूल सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है. स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने, छोटे कारोबारियों को सहयोग करने और युवाओं के लिए रोजगारपरक अवसर बढ़ाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाने के लिए जनप्रतिनिधियों को ध्यान देना होगा.नगर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को समझना होगा कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान केवल व्यापार जगत की मदद नहीं, बल्कि शहर के आर्थिक भविष्य में निवेश है. वहीं, नागरिकों को भी स्थानीय बाजारों और कारोबारियों को प्राथमिकता देकर शहर की अर्थव्यवस्था मजबूत करने में योगदान देना चाहिए.शहर की पहचान केवल उसकी ऐतिहासिक विरासत या विकास के दावों से नहीं बनती, बल्कि इस बात से बनती है कि वहां का बाजार कितना जीवंत है. अमरावती के बाजारों में रौनक होगी, कारोबार में बरकत होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, तभी शहर की खुशहाली भी बढ़ेगी. शहर का व्यापार केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि शहर की तरक्की और समृद्धि का असली पैमाना है,इसे सभी याद रखें .

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

जनता का हित रहता है सर्वोपरि-प्रवीण हरमकर

विदर्भ स्वाभिमान, 28 अक्तूबर

अमरावती - शहर की जनता ने अपार प्रेम और विश्वास दिखाया है, यही कारण है कि पद की बजाय जनता का हित मेरे लिए सर्वोपरि रहता है. जनसमस्याओं के निराकरण के लिए मैं सदैव तत्पर रहता हूं और जीवनभर रहूंगा. लोगों का प्रेम, पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे का विश्वास ही मेरे लिए सबसे बड़ा पद है. इस आशय का मत शिवसेना के समर्पित और एकनिष्ठ पदाधिकारी पूर्व नगर सेवक प्रवीण हरमकर ने व्यक्त किया. उनके मुताबिक जीवन में धन-दौलत ही सब कुछ नहीं होती है.

ज़ीवन में आप जिस भी क्षेत्र में हैं, अगर ईमानदारी, निष्ठा से कार्य करते हैं तो निश्चित तौर पर देर हो सकती है लेकिन उसका फल मिलता है. लेकिन जो लोग अपना जमीर पैसे के लिए बेच देते हैं, वह कभी सीना तानकर खड़े नहीं रह सकते हैं. जनता के लिए वर्षों से संघर्ष करते समय यही अनुभव आया है. कार्यकर्ताओं का प्यार, पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे का आशिर्वाद सदैव मुझे मिला है. इसलिए जब तक जिंदगी है जनता तथा कार्यकर्ताओं के लिए सदैव कार्य करने का प्रयास करूंगा. इस आशय का स्पष्ट मत शिवसेना के लोकप्रिय तथा दबंग नेता प्रवीण हरमकर ने व्यक्त किया.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते



साक्षात्कार

हुए उन्होंने बताया कि जनसमस्याओं के निराकरण के लिए वे सदैव आक्रामक रहते हैं. शहर की सफाई की बात हो, आरटीओ कार्यालय अथवा अन्य किसी कार्यालय से लोगों को हो वाली तकलीफ हो, वे सहन नहीं कर पाते हैं. उनके आंदोलन के कारण कई समस्याओं का निराकरण होकर लोगों को राहत मिली.यही कारण है कि वे शहर में अपार लोकप्रिय शिवसेना नेताओं में गिने जाते हैं. जिनके शब्दों को कार्यकर्ता आदेश मानते हैं. उनके जन्मदिन पर उमड़ने वाली भीड़ उनकी लोकप्रियता का सबूत है.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि नगर सेवक, मनपा में विपक्षी नेता के रूप में उन्हों ने सदैव जनता की समस्याओं का निराकरण करने और समय पड़ने पर प्रशासन से भी टकराने में पीछे नहीं हटे. वे कहते हैं कि जब जमीर में दम रहता है तभी कोई नेता इस तरह की हिम्मत करता है. उनके मुताबिक बालासाहब ठाकरे उनके आदर्श हैं. उनके विचारों को ही जीवन में अपनाते हैं.शहरवासियों के प्रेम, कार्यकर्ताओं की आत्मीयता को अपनी सबसे बड़ी दौलत मानते हैं. साथ ही स्पष्ट कहते हैं कि जब तक जीवन है वे जनता के कार्य करते रहेंगे. पद की बजाय वे सदैव काम को महत्व देते हैं. उन्हें जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

सूखे की मार से त्रस्त हैं अमरावती किसान

अमरावती-जिले में कम बारिश के कारण खरीफ फसलों को भारी नुकसान होने की खबर है. रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष खरीफ सीजन में औसतन 56 प्रतिशत बारिश दर्ज हुई, जबकि करीब 7.11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसल नुकसान का आकलन किया गया है. लगभग 5.18 लाख किसानों के लिए 734.48 करोड़ रुपये की सहायता की मांग की गई है.किसानों को अब सरकारी मदद और नुकसान भरपाई का इंतजार है.

विदर्भ में हो सकती है आगामी दिनों बारिश

नागपुर- विदर्भ में मौसम एक बार फिर करवट ले सकता है. मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 27 से 31 अक्टूबर के दौरान क्षेत्र के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है. 28 और 29 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बारिश भी हो सकती है. खरीफ फसलों की कटाई के समय बारिश की आशंका से किसानों की चिंता बढ़ गई है.

सुरक्षा जवान और नागरिकों में हो गया विवाद

नागपुर- डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल परिसर में महाराष्ट्र सुरक्षा बल के जवान और कुछ नागरिकों के बीच विवाद का मामला सामने आया है. यात्रियों को वाहन में बैठाने और पार्किंग के मुद्दे पर शुरू हुआ विवाद कथित तौर पर मारपीट तक पहुंच गया. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला चर्चा में आया.

ज़लसंकट से निपटने प्रयास

अमरावती-आगामी महीनों में संभावित जलसंकट से निपटने के लिए नागपुर और अमरावती विभागों में प्रशासन को पहले से तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं. गांववार जलसंकट कार्ययोजना तैयार करने, जलजीवन मिशन की 75 से 99 प्रतिशत तक पूरी हो चुकी योजनाओं को प्राथमिकता से शुरू करने तथा कुओं के पुनर्भरण, खेत तालाब और बंधारों के विकास पर जोर दिया गया है.



माता लक्ष्मी का पाताल लोक को चले जाना

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199



गतांक से जारी- 'श्री वेंकटेश्वर आश्रित जनों की रक्षा करनेवाले अब मुझे यहाँ पर रहने नहीं देंगे. मुझे शेषाचल पर ले जाने के लिए यहाँ पर आयेंगे. तब 'मैं नहीं आऊँगी' कहने के लिए मेरा मन नहीं करेगा. मेरी जीभ से ऐसी बात नहीं निकलेगी. इसलिए गौरव के साथ मुझे कहीं छिप जाना चाहिए. अगर मैं उस देव के वक्ष पर दिन और रात को रहने से पद्मावती को चिंता होगी. मुझे यह कर्म क्यों करना चाहिए?' इस रूप में सोचते वह शीघ्र ही उठकर कोल्हापुर को छोड़ कर मार्ग खोकर पाताल लोक पहुँच गयी. हरि के अंशवाले विशेष योग महिमा रखने वाले कपिल मुनि के यहाँ पहुँच गयी. तब उस लक्ष्मी को पहचान कर कपिल मुनींद्र ने बहुत गौरव के साथ बिना किसी संशय के अपने आश्रम में रहने के लिए आश्रय दिया. हरि अंश के मुनि पर बिना किसी संदेह के लक्ष्मी वहाँ पर स्थिर रूप से रहने लगी. मन में हरि को स्थापित करके पूजा करने लगी.

लक्ष्मी को लेकर हरि का कोल्हापुर में तप करना-उसके बाद वेंकटाद्रि के नायक श्री वेंकटेश्वर प्रातःकाल ही उठ कर, सुवर्ण वस्त्रों से, भूषणों से सुसज्जित होकर गरुड़ जैसे घोड़े पर सवार होकर 'वहाँ होकर आऊँगा' ऐसा पद्मावती को मनाकर, बाद में जननी बकुला से तथा वराह स्वामी को बताकर आनंद के साथ निकल पड़े. शीघ्र ही करवीरपुर पहुँच कर वहाँ पर लक्ष्मी के मंदिर में रहनेवाले भवन में पहुँच गए. उस भवन में लक्ष्मी की खोज की. वहाँ पर लक्ष्मी दिखाई नहीं पड़ी. इससे श्रीनिवास को बड़ी चिंता हुई. दुःखी होकर व्याकुलता में श्रीनिवास को कुछ नहीं सूझा.आँखों से आँसू बहाने लगे. कामातुर होकर लक्ष्मी की खोज बार-बार करने लगे. दीनता में सोच में पड़ गए. 'अहो ! मुझ पर बिना देखने लगे. इस रूप में कुछ समय तक चिंता करते हुए फिर से कोल्हापूर पहुंच गए. वहाँ लक्ष्मी के एक अर्चना रूप को तैयार करवा कर, पूर्व में अगत्य के द्वारा पूजित लक्ष्मी विग्रह को देखकर, करुणा से वहीं रहते हुए उस महालक्ष्मी के विग्रह की पूजा करने लगे. इस रूप में दस वर्ष तक तप करते रहे. तब एक दिन लक्ष्मी का स्मरण करते-करते श्रीनिवास अधिक चिंताग्रस्त हुए. तब अशीरवाणी ने अद्भुत रूप में हरि की उद्देश्य करके इस रूप में कहा.

अशरीर वाणी के बचन

'हे देव! आपके इस तप से रमा देवी संतुष्ट होकर यहाँ पर आप को दिखाई नहीं पड़ेगी.इसलिए यहाँ से ठीक दक्षिण की दिशा में प्रसिद्ध प्रदेश में कृष्णा नामक नदी बहती है. उसके द्वाविंशति योजन दूरी पर सुवर्णमुखी नामक नदी बहती है. उस नदी के उत्तर तट पर खड़े होकर तापसी बनकर कुंभसंभव के पूरब में रहनेवाले सिद्ध स्थल पर स्वर्ग में रहनेवाले एक सुवर्ण कमल की मंगाकर वहाँ पर गाढ़ना चाहिए. उस पौधे के पूरब दिशा में दिवाकर के लिए मंदिर बनाकर उन्हें उसमें प्रतिष्ठा करके पूजा करने से वह कमल अत्यंत शोभा के साथ खिल उठेगा.

श्री शारदा महिला मंडल ने पहले ही वर्ष सभी के सहयोग से रच दिया इतिहास,प्रभाग के पार्षदों ने दिया योगदान,क़ई स्पर्धाएं ली गई, माता भक्ति में सभी झूम उठे



पेज 8 से जारी-भाव अगर हो तो कोई भी काम असंभव नहीं होता है, इस बात को साबित किया छाया कॉलोनी क्षेत्र की महिलाओं ने. उन्होंने पहले साल ही मां शारदा की स्थापना करने से लेकर भक्तिभाव से आरती, रोज प्रसाद वितरण के अलावा बच्चों तथा महिलाओं के लिए भी कई स्पर्धाएं लेकर धर्म के साथ ही एकता की ताकत का जहां एहसास कराया, वहीं दूसरी ओर मंगलवार को विदर्भ के सुख्यात जय माता दी मानस मंडल के जाने-माने गायक ऋषि भगत दुबे के माता के जगराता कार्यक्रम ने इसे अभूतपूर्व और एतिहासिक बना दिया. एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुती पर उपस्थित भक्त जहां झूम उठे, वहीं गायक ऋषि भगत, उन्हें कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने वाले छोटे भाई रितेश के साथ ही सहयोगी कलाकारों ने भी कार्यक्रम को बुलंदी पर पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी. रात 8 बजे से शुरू कार्यक्रम में क्षेत्र के साथ ही आसपास के नगरों के बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए और उन्होंने आनंद लिया.

छाया कॉलोनी में शारदोत्सव के अवसर पर भक्तिमय वातावरण छाया हुआ है. श्री शारदा महिला मंडल की ओर से आयोजित शारदोत्सव में धार्मिक आस्था, उत्साह और महिला शक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला. यहां की हर महिला ने अपना अधिकाधिक योगदान देकर जहां सेवाभाव का परिचय दिया, वहीं आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होकर कार्यक्रम को ऊंचाईयां प्रदान की.

मां शारदा की आराधना के साथ पूरा परिसर भक्तिमय रंग में रंगा नजर आया. उल्लेखनीय सहयोग और योगदान देने के लिए भावी महापौर और क्षेत्र के पार्षद प्रा. आशीष अतकरे, प्रियंका पाटणे, योगेश विजयकर के अलावा अर्चना पांडे का भी सहयोग रहा. इसके लिए नगर सेवकों के साथ ही भूषण पाटणे, अशोक पांडे का भी मंडल द्वारा सत्कार किया गया.

छाया कॉलोनी की महिलाओं ने पहले ही वर्ष मां शारदा की स्थापना कर पूजा-अर्चना कर क्षेत्र को प्रसन्नता से सराबोर कर दिया.बच्चों के लिए स्पर्धा के अलावा अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में भी बड़ी संख्या में भक्तों ने सहभाग दिया.शारदोत्सव के दौरान आयोजित गरबा कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल हो रही हैं. पारंपरिक वेशभूषा, गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों और मां की भक्ति से कार्यक्रम की रौनक बढ़ी. महिलाएं पूरे श्रद्धाभाव से गरबा करते हुए मां शारदा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त किया.मां शारदा की आराधना और गरबा की गूंज के बीच छाया कॉलोनी में उत्सव का उल्लास दस दिनों तक छाया रहा और क्षेत्रवासियों ने भी महिलाओं के आयोजन, नियोजन की जमकर सराहना की.

किरण सरनाईक लगातार दूसरी बार बने अमरावती के शिक्षक विधायक

विदर्भ स्वाभिमान,28 अक्तूबर अमरावती- महाराष्ट्र विधान परिषद के अमरावती विभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट के उम्मीदवार किरण सरनाईक ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर शिक्षक विधायक के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है. चुनाव में उतरे बाकी प्रत्याशियों को हराते हुए उन्होंने यह शानदार सफलता प्राप्त की. सरनाईक ने कांग्रेस की उम्मीदवार प्रा. अदिति पोहरे को पराजित किया. उनकी जीतकी घोषणा के समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया सहित अनेक नेताओं ने किरण सरनाईक का सत्कार किया. शिक्षकों की समस्याओं को हल करने के लिए जी-जान लगा देने की बात कही.

मतगणना के अंतिम परिणामों के अनुसार, किरण सरनाईक को 16,663 मत प्राप्त हुए, जबकि प्रा. अदिति पोहरे को 8,636 मत मिले. जीत के लिए निर्धारित 16,134 मतों का कोटा पूरा करते हुए सरनाईक ने विजय हासिल की. पूर्व विधायक श्रीकांत देशपांडे 7,017 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे.अमरावती के लोकशाही भवन में 27 अक्टूबर को शुरू हुई मतगणना लगभग 33 घंटे तक चली. प्रथम वरीयता के मतों में किसी भी उम्मीदवार के निर्धारित कोटे तक नहीं पहुंचने के



कारण दूसरी वरीयता के मतों की गणना की गई. कुल 26 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे.

शिक्षकों के प्रश्नों को प्राथमिकता देने का संकल्प-जीत के बाद किरण सरनाईक ने शिक्षकों द्वारा जताए गए विश्वास के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि वे विधान परिषद में शिक्षक समुदाय की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और उनके समाधान के लिए प्रयास करेंगे. इस जीत के साथ अमरावती विभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना के शिंदे गुट को पहली बार पार्टी के उम्मीदवार के रूप में सफलता मिली है.शिक्षकों के विश्वास पर किरण सरनाईक ने हर्ष जताते हुए हर संभव सेवा देने की बात कही.33 घंटे तक चली मतगणना के बाद चुनावी नतीजों की घोषणा पश्चात शिवसेना में हर्ष व्याप्त हो गया.



माता रानी और पगडीवाले हनुमानजी का सदा रहा है आशिर्वाद-ऋषि दुबे

विदर्भ स्वाभिमान,28 अक्तूबर

अमरावती- सेवा, समर्पण और मानवता के संकल्प क़े साथ ही संगीत के क्षेत्र में न केवल अमरावती बल्कि विदर्भ स्तर पर चमक रहे गायक ऋषिकेश दुबे उर्फ ऋषि भगत का छाया कॉलोनी में संगीत क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए युवा स्वाभिमान पार्टी के शहर अध्यक्ष राजा बांगडे, उपाध्यक्ष राजेश बनारसे, गोपाल चिखलकर, अमित बनारसे सहित अन्य मान्यवरों की मौजूदगी में सत्कार किया गया. गणेशोत्सव के बाद नवरात्रोत्सव और उसके पश्चात शारदोत्सव में सबसे अधिक मांग रहने वाले जय माता दी मानस मंडल के मुख्य गायक ऋषिकेश दुबे तेजी से युवाओं में छा रहे हैं. महाकाल पर दो यूट्यूब गीतों के जहां हजारों दीवाने हैं, वहीं दूसरी ओर माता-पिता के आदर्श संस्कारों में पले-बढ़े ऋषि ने अपनी कामयाबी को माता-रानी और पगड़ीवाले हनुमानजी के चरणों में समर्पित करते हुए बताया कि वे जब माता के जगराता में संगीत सेवा देते हैं तो उस समय स्वयं को भी भूल जाते हैं. उनके हर भजन पर लोग केवल प्रतिसाद नहीं देते हैं बल्कि भजनों पर झूमने लगते हैं.

अभी तक 1001 सुंदरकांड

बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के ऋषि भगत ने संगीत की शिक्षा किसी स्कूल अथवा महाविद्यालय में ग्रहण नहीं की लेकिन वे इसे प्रभु की कृपा और पिता पं.सत्यप्रकाश दुबे का आशिर्वाद और छोटे भाई रितेश के साथ ही टीम के बेहतरीन समन्वय को देते हैं. उनके मुताबिक अकेला कोई कुछ नहीं कर सकता है. लेकिन जब टीम में समन्वय और मंडल के सम्मान का भाव हो तो हर कार्यक्रम सुपरहिट होता है. विदर्भ स्वाभिमान अखबार कार्यालय में रविवार को हुए कार्यक्रम में युवा स्वाभिमान के शहर अध्यक्ष राजा बांगडे ने उनके कार्यक्रमों की सराहना जहां की, वहीं अमरावती की अध्यात्मिक संस्कृति में सैकड़ों कलाकारों के होने की बात कही. ऐसे कलाकारों को शहर की शान बताया. युवा स्वाभिमान के शहर उपाध्यक्ष राजेश बनारसे, अमित बनारसे, प्रकाश पाण्डेय ने भी मौके पर विचार व्यक्ति किए. इस समय वननेस मुक्तांगण के शुभम बलखंडे, प्रकाश पाण्डेय के साथ अन्य मान्यवर उपस्थित थे. मौके पर सत्कार मूर्ति ऋषि भगत दुबे ने युवाओं को माता-पिता का सदैव सम्मान करने, अपने धर्म को सम्मान देने के साथ ही समाज तथा शहर की सेवा करने के लिए सदैव तत्पर रहने का आग्रह किया.

व्यसन से दूर रहें

उन्होंने तेजी से बढ़ती व्यसनाधीनता पर कहा कि आज बच्चों में बचपन से ही व्यसन हो जाता है, इससे उनका जीवन बर्बाद होता है. संस्कारों को अत्याधिक महत्व देने वाले जाने-माने गायक ऋषि दुबे ने कहा कि बचपन से माता-पिता को शिक्षा के साथ ही बच्चों को संस्कार देने का प्रयास करना चाहिए. अच्छा संस्कार ही जीवन को संवारने का काम करता है.

सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने किया इंकार

नई दिल्ली-सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र में चुनाव आयोग के एसआईआर के तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, क्लेम और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख बढ़ाने से फिलहाल इनकार कर दिया है.हालांकि, शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता अरुण आनंदगिरी द्वारा दायर याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया के तहत करीब 33फीसदी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं.सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार पेश हुए. उन्होंने अदालत को बताया कि मुंबई और पुणे में लगभग 3500 रीडेवलपमेंट परियोजनाएं चल रही हैं.पुरानी कॉलोनियों और सोसायटियों के तोड़े जाने के कारण हजारों लोग दूसरी जगहों पर रहने चले गए हैं. ऐसे मतदाताओं के वर्तमान पते और अन्य विवरण मेल न खाने की वजह से उनके नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने का गंभीर खतरा बना हुआ है.वरिष्ठ वकील ने दलील दी कि चुनाव आयोग को उन मतदाताओं के लिए एक नया फॉर्म जारी करना चाहिए जिनके नाम पिछली चुनावी सूचियों में पहले से मौजूद थे.

विदर्भ स्वाभिमान

संवाददाता चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में राष्ट्र धर्म और मानव धर्म को समर्पित होकर पत्रकारिता में सकारात्मकता को बढ़ाने का प्रयास करने वाले विदर्भ स्वाभिमान को मध्य प्रदेश के विभिन्न बड़े महानगरों में संवाददाताओं की नियुक्ती करनी है. सामाजिक, धार्मिक कार्य में उत्साह रखने वाले युवक संपर्क करें. अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8208407139

www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान

सप्ताह के सात वार के अलावा सबसे बड़ा वार परिवार रहता है. जब सभी एक-दूसरे की भावना समझते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो वह सुखी परिवार और इसके उल्टा सभी जब एक-दूसरे से जलने की भावना रखते हैं तो वह दुःखी परिवार होता है. आप सुखी परिवार बनें. ज़ीवन में सदैव हो सके तो अच्छी सोच और अच्छा करने का प्रयास करना. अगर अच्छा नहीं हो तो किसी का बुरा कभी नहीं हो, इतना भी ध्यान रखे तो जिंदगी बोझ कभी नहीं बन सकती.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444



संगीतमय श्रीकृष्ण कथा आरंभ,भक्त ले रहे हैं लाभ

सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक के नौवें वर्धापन दिवस पर आयोजन,निकली भव्य कलश यात्रा,क्षेत्र में उत्साह

विदर्भ स्वाभिमान,28 अक्तूबर

अमरावती- सेवा, समर्पण और मानवता के संकल्प को साकार करने वाले सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक के नौवें वर्धापन दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय सरस्वती नगर में भव्य संगीतमय श्रीकृष्ण कथा आरंभ हो गई है. इसका बड़ी संख्या में भक्त लाभ ले रहे हैं. गुरूवार 29 अक्तूबर को भव्य शोभायात्रा निकली, इसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भक्त सहभागी हुए.

25 अक्टूबर से आरंभ होकर 1 नवंबर तक चलने वाले धार्मिक एवं सेवाभावी महोत्सव में नागपुर के प्रसिद्ध प्रवचनकार मनोज महाराज मिरकुटे (काटपुरकर) अपनी मधुर वाणी से श्रीकृष्ण कथा का रसपान कराएंगे. इस आयोजन से सरस्वती नगर सहित आसपास के क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना है.यह जानकारी संस्था के संस्थापक अध्यक्ष और अभी तक मानवता की सेवा में कई उपक्रम चलाने वाले तथा पुरस्कारों से सम्मानित मनीष पावडे ने दी. साथ ही अधिकाधिक संख्या में भक्तों से कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह किया है.

सेवा और मानवता को समर्पित नौ वर्षों का सफर- रोटी बैंक और जलसेवा देने वाले मनीष पावडे ने अपने पिता स्वर्गीय रमेशराव पावडे तथा माता पष्पलता पावडे से प्रेरणा लेकर नौ वर्ष पूर्व सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक की स्थापना की थी. उनका उद्देश्य जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना रहा है. संस्था के माध्यम से अब तक हजारों जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई गई है.संस्था के सेवा कार्य में मनीष पावडे की पत्नी वैशाली पावडे भी निरंतर सहयोग कर रही हैं. पावडे दंपती के सामाजिक योगदान को देखते हुए उन्हें विभिन्न राज्यस्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है.

भजन-कीर्तन से सजेगा धार्मिक महोत्सव-संस्था के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवाधारी मित्र परिवार के सहयोग से धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है. कार्यक्रम के अंतर्गत 25 अक्टूबर को सरस्वती महिला मंडल, 26 अक्टूबर को ग्रामगीता महिला मंडल, 27 अक्टूबर को लहरी बाबा महिला भजन मंडल तथा 28 अक्टूबर को गुरुदेव सेवा मंडल के महिला भजन मंडल द्वारा



भजन प्रस्तुत किया गया. इसमे क्षेत्रवासी बड़ीसंख्या में शामिल हुए.29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक श्रीकृष्ण कथा का मुख्य आयोजन मनीष पावडे के निवास स्थान, सरस्वती नगर, अमरावती में किया गया है.भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

श्रीकृष्ण कथा महोत्सव का शुभारंभ 29 अक्टूबर को सुबह 10 बजे सरस्वती नगर से निकली भव्य कलश यात्रा से हुई. इसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक श्रीकृष्ण कथा का आयोजन किया जाएगा. 1 नवंबर को मनोज महाराज मिरकुटे का काल्याचे कीर्तन होगा. इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए



महाप्रसाद की व्यवस्था रहेगी.इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के साध-संतों, समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी. प्रमुख रूप से ह.भ.प. उमाळे आई (लहरी बाबा मंदिर), कमलाताई गवई, वरिष्ठ समाजसेविका पष्पाताई बोंडे, सभाषराव पावडे सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है. श्री गरुदेव सेवा मंडल, सरस्वती नगर, सरस्वती एवं लक्ष्मी नगर के महिला भजन मंडल, डॉ. गोविंद कासट मित्र परिवार, अभिनंदन पेंढारी मित्र परिवार, वृक्ष संवर्धन अमरावती तथा वसा एनिमल रेस्क्यू सेंटर सहित अनेक सामाजिक संगठनों का सहयोग मिल रहा है.सर्वज्ञ फाउंडेशन ने नागरिकों से इस आयोजन में सहभागी बनने और अपनी श्रद्धा के अनसार अनाज अथवा आर्थिक सहयोग देने की अपील की है. सहयोग सर्वज्ञ बुक डेपो, गांधी चौक, अमरावती तथा सर्वज्ञ फाउंडेशन रोटी बैंक, सरस्वती नगर, अमरावती में दिया जा सकता है.संस्था के संस्थापक अध्यक्ष मनीष रमेशराव पावडे ने श्रद्धालओं से संगीतमय श्रीकृष्ण कथा में उपस्थित रहकर आयोजन की शोभा बढ़ाने और कथा का लाभ लेने का आग्रह किया है. हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी इस आयोजन को संस्था के साथ ही क्षेत्रवासियों का सहयोग मिल रहा है. जानकारी के लिए मोबाइल 9096585929 पर संपर्क किया जा सकता है.क्रार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में अपार उत्साह वाली स्थिति है. सभी से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.मनीष, वैशाली पावडे दम्पति को सेवाभाव के लिए अनगिनत पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है. कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह उन्हों ने सभी से किया है.



विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

नियमों का पालन हमेशा हमारे लिए लाभदायी होता है. लेकिन यह भी सच है कि जब नियमों का पालन करने वाले को आज के दौर में कई बार बेवकूफ समझ लिया जाता है. लेकिन येन-केन प्रकारेण घर भरने की मानसिकता रखने वालों को ही सर्वत्र सम्मान मिलता है. लेकिन जैसा कहा जाता है कि कर्म कभी प्रभाव देना नहीं छोड़ता है, ऐसे लोग एक समय तक ऊंचाईयां छूते हैं लेकिन जब इनका हिसाब होता है तो बहुत दर्दनाक होता है. इसलिए जीवन में तकलीफें झेलने के बाद भी जो अपनी सच्चाई, अपना रास्ता नहीं बदलता है, ऐसे लोग संख्या में भले ही कम हों लेकिन इन्हें सर्वत्र सम्मान मिलता है. आप भी अच्छे बनकर, किसी की मदद कर, किसी के चेहरे पर मुस्कराहट लाकर इसका अनुभव कर सकते हैं. जीवन में हो सके तो सदैव अच्छा ही करें, क्योंकि अगला पल किसी ने नहीं देखा है.

सुभाषचंद्र जे. दुबे,संपादक www.vidarbhswabhiman.com







गुरूवार 29 अक्तूबर से 4 नवंबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है. नवरात्रोत्सव यादगार रहने वाला है. इस दौरान नाहक वाद-विवाद से बचें और आर्थिक रूप से जोखिम नहीं उठाना श्रेयस्कर रहेगा. कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने का योग बन रहा है. अपने काम पर ही ध्यान देना अधिक लाभदायी होगा.सप्ताह भर आनंददायी स्थिति रहेगी और घर में मेहमानों का आगमन होगा.

मेष-घर में खुशी का माहौल रहेगा और मेहमानों के आगमन से सर्वत्र खुशियां रहेंगीं. पर आपकी मौजूदगी आपके बच्चों के साथ-साथ परिवार को भी सुरक्षा और कॉन्फिडेंस देगी.किसीं से नाहक विवाद नहीं करें.

वृषभ- बढ़ती जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करेंगे. आपका खुशमिजाज और समझदार स्वभाव घर में शांति बनाए रखने में मदद करेगा.वान धीरे से चलाएं और नाहक विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.

मिथुन- अपने जूनियर्स और सहयोगियों को समझने का प्रयास करेंगे.उनका भरोसा और मज़बूत होगा. अपने बच्चों के साथ समय बिताने से आप ज़्यादा खुश रहेंगे और अकेलापन कम महसूस करेंगे.

कर्क-आप व्यक्तिगत लाभ की बजाय सामुहिक लाभ की योजना पर काम करेंगे. जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा. बिना जल्दबाज़ी के अपने परिवार के साथ समय बिताने से आपके रिश्तों में प्यार और अपनापन आएगा.

सिंह-काम और पढ़ाई में आपकी तरक्की अच्छी रहेगी. कोई भी चीज़ आपकी मेहनत और पक्के इरादे को आसानी से कम नहीं कर पाएगी. आप घर पर कुछ नया और दिलचस्प कर पाएंगे.जीवन में खुशियां बांटने का सदा भाव रखना, सब अच्छा होगा.किसी से विवाद नहीं करें.

कन्या-इस हफ़्ते आपकी काबिलियत साफ़ दिखेगी, जिससे आपके करियर में नए मौके मिल सकते हैं. घर पर अपनी राय बहुत ज़्यादा थोपने की कोशिश करने से बहस हो सकती है, इसलिए दूसरे....

तुला- अच्छी सेहत आपको पूरे हफ़्ते एनर्जेटिक और पॉज़िटिव रखेगी. आपकी काबिलियत आपका कॉन्फिडेंस बढ़ाएगी और नए मौकों का रास्ता बनाएगी. परेशानी दूर होने के आसार हैं.

वृश्चिक- काम पर नए प्रोजेक्ट या ज़िम्मेदारियाँ आपकी काबिलियत और क्रिएटिविटी दिखाने का अच्छा मौका देंगी. परिवार में बातचीत, प्यार और तालमेल से खुशियाँ बढ़ेंगी. आपकी मज़बूत फ़ाइनेंशियल स्थिति....

धनु- कड़ी मेहनत और पॉज़िटिव सोच से आपके करियर में सफलता के चांस बढ़ेंगे. घर पर इमोशनल प्रॉब्लम को समझदारी और समझदारी से हैंडल किया जा सकता है ताकि परिवार में शांति बनी रहे. इन्वेस्टमेंट के फ़ैसले सोच-समझकर लेना लाभदायी रहेगा.

मकर-सहकर्मियों से मिले सपोर्ट और अच्छे सुझाव टीमवर्क को मजबूत करेंगे और काम में तेजी लाएंगे. निजी मामलों को समझने और सुलझाने में आपको अपने परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा.

कुंभ-आपकी ईमानदारी के अधिकारी तथा सहयोगी भी कायल हों गे. माता रानी की कृपा से प्रभावित काम तेज गति से होगा और जल्द से जल्द आपको बेहतरीन लाभ मिलने की संभावना है. घर में शांति रहेगी और खुशियां रहेंगी.

मीन- रिश्तों को सुधारने के प्रयास में सफलता मिलेगी और आपका फंसा काम निश्चित तौर पर सफल होगा. लोगों की झंझट से दूर रहने का प्रयास करें. अपने काम से काम, अपने राम से राम रहना बेहतरीन होगा. कम मेहनत में भी सफलता का योग है. प्राप्त अवसरों का लाभ उठाएं.

आपका सप्ताह शुभ हो, विदर्भ स्वाभिमान यही कामना परमात्मा के चरणों में करता है.

अमरावती-कला कभी सुविधाओं की मोहताज नहीं रहती है, इस बात को साबित किया है इवी के संचालक वंश पवार ने. स्वयंप्रेरणा से वंश जिस तरह से हर यादगार पलों की विडियो एडीटिंग करता है, उसकी जितनी सराहना की जाए कम है. शहर में कई गणेशोत्सव मंडलों के बाद दुर्गा उत्सव तथा पश्चात शारदा उत्सव मंडलों ने भी उसके हाथों नवरात्रि, गणेशोत्सव तथा शारदोत्सव के जिस तरह से शानदार विडियो बनवाए, उसका एक बार निरीक्षण करने के बाद निश्चित तौर पर इसकी सराहना किए बगैर नहीं रहा जा सकता है.वंश फंक्शनल शूट, प्रोफेशनल शूट, पॉलिटिकल शूट, सिनेमेटिक विडियोज के अलावा कार डिलीवरी के पलों को इस तरह यादगार बना देता है कि संबंधित व्यक्ति उसका कायल हो जाता है. अभी तक 200 से अधिक शानदार विडियो के माध्यम से उसने वाह-वाही बटोरी है. कल्पनाशीलता, समन्वय जैसी खूबियों ने उसे यह बुलंदी प्रदान की.संपर्क 9322015649



RNI NO. MAHMIN / 2010 /43881
विदर्भ स्वाभिमान
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर,
नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें
विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.
संपर्क
विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय,
छाया कॉलोनी,अकोली
रोड,अमरावती.
मो.9423426199



गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.



झूमने विवश कर दिया ऋषि के माता भजनों ने

श्री शारदा महिला मंडल ने रचा इतिहास, महाप्रसाद का हजारों ने लिया लाभ



विदर्भ स्वाभिमान,28 अक्तूबर

अमरावती- कहते हैं कि भक्ति कीशक्ति महान होती है, यह बड़े से बड़ा काम करवा लेती है. इसका अनुभव छाया कॉलोनी विदर्भ स्वाभिमान गल्ली के भक्त कर रहे हैं. क्षेत्र की महिलाओं ने श्री शारदा महिला मंडल की स्थापना कर मां शारदा की स्थापना के साथ ही जिस तरह से बेहतरीन ढंग से शारदोत्सव मनाया और माता रानी के जगराता कार्यक्रम में जय माता दी मानस मंडल के गायक ऋषि भगत दुबे, रितेश दुबे तथा टीम ने जिस तरह से शानदार भजनों को प्रस्तुत कर भक्तों को झूमने मजबूर कर दिया, उसकी सराहना सर्वत्र हो रही है.मंगलवार को माता का जगराता का लाभ हजारों भक्तों ने उठाया, वहीं दूसरी ओर बुधवार को शाम आयोजित महाप्रसाद का लाभ भी हजारों भक्तों ने उठाया. इसके लिए सभी ने मंडल की सराहना की.

पहले साल ही मंडल की महिला पदाधिकारियों ने अपने कार्यों से अमिट छाप जहां छोड़ी, वहीं दानदाताओं का भी व्यापक सहयोग मिला, इसके लिए मंडल की सभी पदाधिकारियों ने दानदाताओं का आभार जताया.क्षेत्रवासियों के साथ ही अन्य दानदाताओं के सहयोग से 21 अक्तूबर से मां शारदा की स्थापना करने के बाद से पूरे 9 दिनों तक भक्तों को प्रसाद का वितरण करने के अलावा माता के जगराता के प्रमुख ऋषि दुबे तथा रितेश दुबे सहित टीम का सत्कार किया गया. माता रानी की चुनरी ओढाकर ऋषि का सत्कार किया गया. कुल मिलाकर 9 दिनों तक शानदार भक्तिभाव वाले कार्यक्रमों से क्षेत्रवासी निहाल हो गए. माता रानी के जगराता में हजार से अधिक भक्त शामिल हुए. तीनों ही नगर सेवकों प्रियंका पाटणे, अर्चना पांडे, योगेश विजयकर के साथ ही महाप्रसाद में प्रा. आशीष अतकरे सहित अन्य प्रमुखता से उपस्थित थे.9 दिनों तक चले कार्यक्रम के कारण पूरा क्षेत्र जहां धार्मिकता से ओतप्रोत हो गया, नागरिकों की भक्तिभाव की सराहना की. सफलतार्थ मंडल की सभी महिलाओं तथा क्षेत्रवासियों ने प्रयास किया.

शेष पेज 4 पर



विदर्भ स्वाभिमान अखबार गल्ली छाया कॉलोनी में माता के भजन प्रस्तुतत करते जाने-माने गायक ऋषि दुबे.भक्त झूम उठे.

श्याम बाबा के भजन पर नम हुई आंखें

कहते हैं कि भक्ति की शक्ति महान होती है. जय माता दी मानस मंडल द्वारा मंगलवार को छाया कॉलोनी में प्रस्तुत किए गए माता के भजनों ने भक्तों को झूमने मजबूर कर दिया. मुख्य गायक ऋषि भगत के अलावा जाने-माने कलाकारों ने जहां संगीत वाद्यों और गीतों से माहौल को भक्तिभाव से परिपूर्ण कर दिया, वहीं भगवान गणेश की आराधना, हनुमानजी, महाकाल, हारे का सहारा श्याम बाबा के साथ ही माता रानी के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर ऋषि और रितेश बंधुओं की जोड़ी ने उपस्थित भक्तों को झूमने के लिए विवश कर दिया. इससे पहले अनासाने लेआऊट में वृंदावन शारदा उत्सव मंडल में भी सोमवार को शानदार माता जगराता कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया. यहां भी सभी कलाकारों ने अपनी कला का लोहा मनवाया. हारा हूं बाबा गीत प्रस्तुत करते समय ऋषि दुबे की आंखें नम होने पर भक्त भी भावुक हो गए.





